(i) Printed Pages : 4 Roll No. .....

(ii) Questions : 8 Sub. Code : 0 0 0 7

Exam. Code : 0 0 0 1

B.A./B.Sc. (General) 1st Semester

1125

HINDI (Elective) (Same for Shastri Part–I)

Paper : I

Time Allowed : 3 Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:-

(i) मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर।
स्रवन द्वार ह्वै संचरै, सालै सकल सरीर।।
वृच्छ कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर।
परमारथ के कारने, साधुन धरा सरीर।।

(ii) कहा भयो जे मूंड मुंडायो, कहा तीर्थ व्रत कीन्हें।
स्वामी दास भगत अरू सेवक, परम तत्व नहीं चीन्हें।।
कह रैदास तेरि भगति दूरि है, भाग बड़े सो पावै।
तजि अभिमान मेटि आपा पर, पिपिलक ह्वै चुनिखावै।।

(iii) सभु को निवै आप कउ पर कउ निव न कोइ।।
थरि ताराजू तोलीए, निवै सु गउरा होई।।
अपराधी दूणा निवै जो हंता मिरगाहि।।
सीसि निवाइऐ किआ थीऐ जा रिदै कुसुधे जाहि।।

(iv) भंवर कुरं काग अरू कोकिल, कपटिन की चटसार।
कमलनैन मधुपुरी सिधारे मिटि गयौ मंगलाचार।।
सुनहु सखी री दोष न काहू, जो विधि लिख्यो लिलार।।
यह करतूति उनहिं की नाहीं, पूरब बिबिध बिचार।।

5×2=10

(ख) रैदास ने किस प्रकार आत्म-समर्पण के भाव को सहज शैली में व्यक्त किया है ? - संक्षेप में बताएँ।

अथवा

गुरू नानक देव का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए। 6

2. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :-

(i) "हे भगवान्! तब के लिए ? विपद के लिए इतना आयोजन ? परम पिता की इच्छा के विरूद्ध इतना साहस ? पिताजी क्या भीख न मिलेगी ? क्या कोई हिन्दू भू-पृष्ठ पर न बचा रह जाएगा, जो ब्राह्मण को दो मुट्ठी अन्न दे सके ?

(ii) मानव-प्रकृति प्रतिदिन एक ही वस्तु देखते-देखते ऊब जाती है। आगरे वालों को ताजमहल देखने का कौतूहल नहीं होता। वृन्दावन वासियों को कालिंदी कूल कदम्ब की डारिन में वह आकर्षण नहीं जो एक नवागंतुक यात्री को होता है। हम लोगों को मार्ग के दृश्य में कोई विशेष आनन्द नहीं मिल रहा था, वह तो रोज़ की चीज़ थी।

(iii) वर्षा पड़ने की ऊँची आवाज़ के कारण यह चीज़ बहुत स्पष्ट नहीं थी, फिर भी उसमें अत्यधिक भयपूर्ण करूणा उत्पन्न करने की पूरी शक्ति विद्यमान थी। फकीर उठा और उसने अपनी लकड़ी संभाली। अभी रात का सा पूरा अंधेरा नहीं हुआ था।

(iv) मैं कहने ही वाला था कि आज छुट्टी के दिन मैं कहीं नहीं जाता, पर सुलेखा ने कुछ ऐसी दृष्टि से मेरी ओर देखा कि शब्द मेरे होठों पर रह गए। कहने लगी, "होगा तो वही जो परमात्मा को स्वीकार है; पर तनिक जाकर देख आइए।" $5\times2=10$

(ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' में किस प्रकार शतरंज के भयंकर परिणामों को दिखाया गया है ?

अथवा

लेखक ने शिशुपाल के उदाहरण से भारतीय 'न्याय-मंत्रियों' के न्यायपालन की विशेषता को किस प्रकार व्यक्त किया है ? 6

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में लिखें :-

(क) 'राह दोऊ हम दीठा' से कबीर क्या कहना चाहते हैं ?

(ख) रैदास को पूजा-अर्चना के लिए उपयुक्त सामग्री क्यों नहीं मिल पाई ?

(ग) भ्रमरगीत में गोपियों के कथनों की मार्मिकता का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।(अपने शब्दों में)

(घ) अशिक्षित का हृदय' में ज़मींदारों के निर्दयी व्यवहार का कैसे चित्रण हुआ है ?

(ङ) 'गुलाब' के बूढ़े हसना के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

(च) 'सभ्य-असभ्य' में लेखक क्या कहना चाहता है ? $3\times3=9$

4. आदिकाल की काल-सीमा निर्धारित कीजिए।

अथवा

आदिकालीन काव्य-प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 7

5. निम्नलिखित **दस** प्रश्नों के उत्तर दें :-

(i) कबीर की रचनाएं किस भाषा में हैं ?

(ii) कबीर और रैदास भक्ति-काव्य की किस शाखा से संबद्ध हैं ?

(iii) रैदास को किस बाज़ीगर से प्रेम हो गया था ?

(iv) नानक ने किस वृक्ष को तीर सा सीधा बताया है ?

(v) नानक के अनुसार किसने खुरासान प्रदेश को जीत कर भारत को आतंकित किया ?

(vi) गोपियाँ किसे योग की सामग्री लौटाना चाहती हैं ?

(vii) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहाँ की नवाबी के अन्तिम दिनों की कहानी है ?

(viii) ममता के पिता का क्या नाम था ?

(ix) किस कहानी में रंक से लेकर राजा तक में कोई अन्तर नहीं दिखाया गया है ?

(x) उपेन्द्रनाथ अश्क की रचना का नाम बताएं।

(xi) रासो-परम्परा की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखें।

(xii) अब्दुल रहमान की रचना का नाम लिखें।

(xiii) आदिकाल को और किस नाम से पुकारा जाता है ?